

蒙古文書 6  
蒙古文書 2  
蒙古文書

蒙古文書  
蒙古文書



بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

— عَلَيْكُمْ سَلَامٌ وَرَحْمَةُ اللَّهِ وَبَرَّهُ

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ  
رَبُّ الْعَالَمِينَ  
إِنَّا لَنَا مَا كَسَبْنَا وَإِنَّا إِلَيْهِ مُنْتَهُونَ

بِسْمِ اللَّهِ  
رَبِّ الْعَالَمِينَ

## 图书在版编目(CIP)数据

蒙古族“松庚”仪式及其颂词的历史渊源/斯琴孟和, 格日勒著. —北京: 民族出版社, 2003.7

ISBN 7-105-05657-6

I . 蒙… II . ① 斯… ② 格… III . 蒙古族 - 颂歌 - 文学研究 - 青海省 - 蒙古语(中国少数民族语言)

IV . I207.22

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2003) 第 063503 号

民族出版社出版发行

北京市和平里北街 14 号 邮编 100013

<http://www.e56.com.cn>

民族出版社微机照排 迪鑫印刷厂印刷

各地新华书店经销

2003 年 7 月第 1 版 2003 年 7 月北京第 1 次印刷

开本: 850 毫米 × 1168 毫米 1/32 印张: 8.875 字数: 200 千字

印数: 0001 - 1000 册 定价: 18.00 元

---

该书如有印装质量问题, 请与本社蒙文室发行科联系退换  
(蒙文室电话: 64228166; 发行科电话: 64234411 - 6936)

۱۰۷

۱۰۸

۱۰۹

۱۱۰

۱۱۱

۱۱۲

۱۱۳

۱۱۴

۱۱۵

۱۱۶

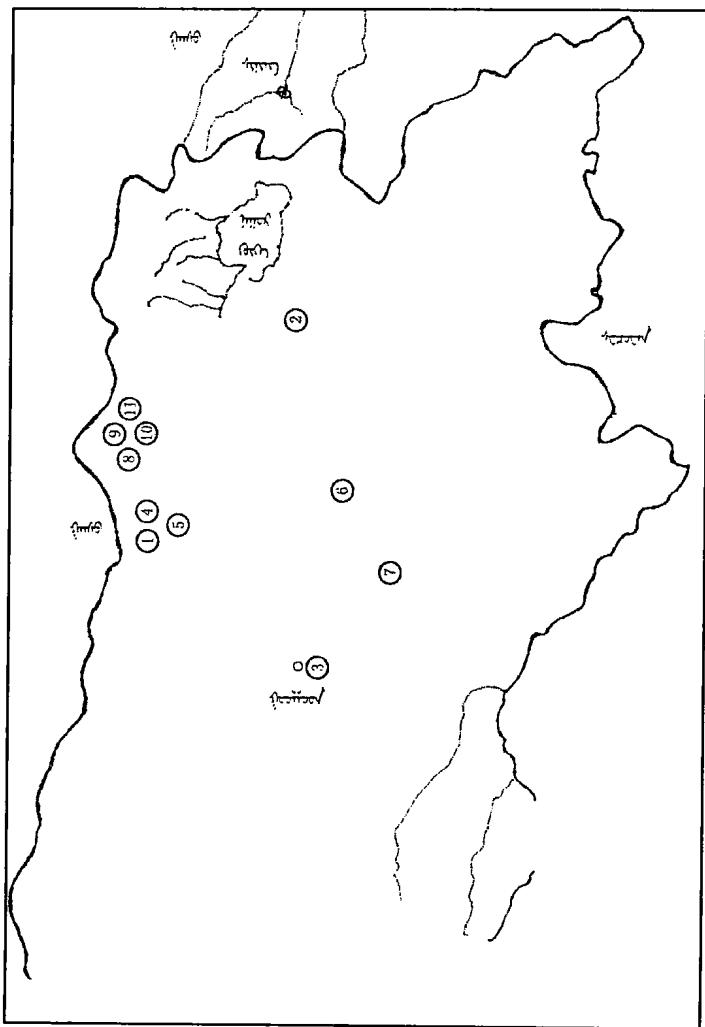
۱۱۷

\*

۱۱۸

۱۱۹

۱۲۰



ଏହି 《ଭାବୁ ପଣ୍ଡି ରୁ ମାନିବୁ》 ରୁ ଆମାକୁ ଯାଇ ଦାଖି  
ଭରିପାରୁ ରୁ ଚାଲିପାରୁ ରୁ ବିଶ୍ଵର କାହାର ବିଶ୍ଵାର ଥ ପାରିବା

ପ୍ରକାଶକ

بَلْ بِعَذَابِكُمْ لَا يَرَوْنَ مُنْفَعًا فَمَنْ أَنْهَا كُفَّارُكُمْ إِنْ هُوَ إِلَّا ذِيٌّ لَّهِ وَمَا هُوَ بِغَيْرِ حَقٍّ

卷之三





藏文大藏经

ପ୍ରକାଶନ ପତ୍ର

2003 ජූලි 3 (සභා මස) නො 28 අංශය  
නො 5 . ප්‍රධාන මණ්ඩලය

بعلارسکر بعلارسکر ۳۵۰ پیغمبر ۶ نظریه علم سنتیم پندر میلیونی و دلسی پیشنهاد - .

ଶ୍ରୀ ମହାନ୍ତିଷ୍ଠାନ ପଦାର୍ଥ



- |       |  |       |
|-------|--|-------|
| (190) | ପେଟ୍ କାହିଁରେ କାହିଁରେ କାହିଁରେ କାହିଁରେ         | ..... |
| (189) | 《ଶ୍ରୀ ମହାଦେଵ ମେ ଲାଲାମ୍ବନ୍ଦି ମେ ଲାଲାମ୍ବନ୍ଦି } | ..... |
| (188) | .....  | ..... |
| (187) | .....  | ..... |
| (183) | .....  | ..... |
| (181) | .....  | ..... |
| (179) | .....  | ..... |
| (178) | .....  | ..... |
| (177) | .....  | ..... |
| (176) | .....  | ..... |
| (175) | .....  | ..... |
| (174) | .....  | ..... |
| (173) | .....  | ..... |
| (172) | .....  | ..... |
| (171) | .....  | ..... |
| (170) | .....  | ..... |
| (169) | .....  | ..... |
| (168) | .....  | ..... |
| (167) | .....  | ..... |
| (166) | .....  | ..... |
| (165) | .....  | ..... |
| (164) | .....  | ..... |
| (163) | .....  | ..... |
| (162) | .....  | ..... |
| (161) | .....  | ..... |
| (160) | .....  | ..... |
| (159) | .....  | ..... |
| (158) | .....  | ..... |
| (157) | .....  | ..... |
| (156) | .....  | ..... |
| (155) | .....  | ..... |
| (154) | .....  | ..... |
| (153) | .....  | ..... |
| (152) | .....  | ..... |
| (151) | .....  | ..... |
| (150) | .....  | ..... |
| (149) | .....  | ..... |
| (148) | .....  | ..... |
| (147) | .....  | ..... |
| (146) | .....  | ..... |
| (145) | .....  | ..... |
| (144) | .....  | ..... |
| (143) | .....  | ..... |
| (142) | .....  | ..... |
| (141) | .....  | ..... |
| (140) | .....  | ..... |
| (139) | .....  | ..... |
| (138) | .....  | ..... |
| (137) | .....  | ..... |
| (136) | .....  | ..... |
| (135) | .....  | ..... |
| (134) | .....  | ..... |
| (133) | .....  | ..... |
| (132) | .....  | ..... |
| (131) | .....  | ..... |
| (130) | .....  | ..... |
| (129) | .....  | ..... |
| (128) | .....  | ..... |
| (127) | .....  | ..... |
| (126) | .....  | ..... |
| (125) | .....  | ..... |
| (124) | .....  | ..... |
| (123) | .....  | ..... |
| (122) | .....  | ..... |
| (121) | .....  | ..... |
| (120) | .....  | ..... |
| (119) | .....  | ..... |
| (118) | .....  | ..... |
| (117) | .....  | ..... |
| (116) | .....  | ..... |
| (115) | .....  | ..... |
| (114) | .....  | ..... |
| (113) | .....  | ..... |
| (112) | .....  | ..... |
| (111) | .....  | ..... |
| (110) | .....  | ..... |
| (109) | .....  | ..... |
| (108) | .....  | ..... |
| (107) | .....  | ..... |
| (106) | .....  | ..... |
| (105) | .....  | ..... |
| (104) | .....  | ..... |
| (103) | .....  | ..... |
| (102) | .....  | ..... |
| (101) | .....  | ..... |
| (100) | .....  | ..... |

ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଅଶୀର୍ବାଦ ନିତ୍ୟ )	(268)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(256)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(246)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(239)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(232)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(225)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(217)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(208)
ଶିଳ୍ପ କଣ୍ଠା ଏବଂ ଆଜିମେ ( ଶରୀରକ ଉଚ୍ଚତାରେ )	(200)





ପେଟ୍ . 1—2 ଲାଖି ଶିଲ୍ପ . ଏକା କଣ୍ଠରେ ଏ ନାମରେ ଅଛି କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା . 1996 ମୁଁ

(୧) ସୁରଜ ନାମରେ ପ୍ରାଚୀନତାରେ କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

(3630 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) . କିମ୍ବା (4113 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) . କିମ୍ବା (2688 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

(1394 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) . କିମ୍ବା କିମ୍ବା (119 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) . କିମ୍ବା (5516 କିମ୍ବା କିମ୍ବା) କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା

କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା କିମ୍ବା